सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 10 MAY TO 16 MAY 2024 • VOLUME 41 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

रिश्तों को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा, कभी गूंगा और कभी बहरा भी होना पड़ता है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

पंजाब पुलिस ने 48 घंटों के अंदर सुलझाई बाऊंसर हत्याकांड की गुत्थी

लक्की पटियाल गैंग के दो शूटर पुलिस मुठभेड़ के बाद काबू

पुलिस टीमों ने गिरफ्तार किए शूटरों से एक पिस्तौल व असले समेत मोटरसाईकल किया बरामद : डीजीपी पंजाब गौरव यादव

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/एसएएस नगर

पंजाब पुलिस ने आज यहाँ न्यू चंडीगढ़ क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के उपरांत लक्की पटियाल गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार करके बाऊंसर हत्या कांड की गुत्थी 48 घंटों के अंदर सुलझा दी है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को मोटरसाईकल सवार दो अनजान व्यक्तियों ने गोलियाँ मारकर पीड़ित मुनीश राणा उर्फ बाऊंसर की हत्या कर दी थी।

डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने गिरफ्तार किये गए शूटरों की पहचान विक्रम राणा उर्फ हैप्पी (23) निवासी गाँव तिऊड़ और किरन सिंह (23) निवासी गुरू रामदास एन्क्लेव खरड़ के रूप में की है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने इनके कब्ज़े से .32 बोर के पिस्तौल समेत छह जिंदा कारतूस और गोलियों के चार खाली खोल बरामद करने के साथ-साथ वारदात में इस्तेमाल किया गया हौंडा शाईन मोटरसाईकल भी ज़ब्त किया है।

सीनीयर सुपरीटेंडैंट ऑफ पुलिस (एस.एस.पी.) एस.ए.एस. नगर डॉ. सन्दीप गर्ग ने बताया कि थाना सदर खरड़ में कत्ल केस दर्ज होने के तुरंत बाद विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि न्यू चंडीगढ़ क्षेत्र में मेडीसिटी के नज़दीक शूटरों की मौजूदगी संबंधी भरोसेमन्द सूत्रों के हवाले से मिली सूचना पर कार्यवाही करते हुए डीएसपी गुरशेर सिंह संधू के नेतृत्व में स्पैशल सैल मोहाली की पुलिस टीमों ने शूटरों का पीछा किया और उनका पता लगाने में सफल रहे। उन्होंने बताया कि पुलिस पार्टी द्वारा पीछा करने पर मुलजिमों ने पुलिस पार्टी पर गोलियाँ चलानी शुरू कर दीं, जबकि पुलिस टीमों ने भी अपने बचाव में जवाबी गोलीबारी की, जिस दौरान दोनों मुलजिमों को गोलियाँ लगीं। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस संबंधी एफआईआर नं. 120 तारीख़ 7/5/2024 को थाना सदर खरड़ में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 34 एवं हथियार एक्ट की धारा 25 के अंतर्गत पहले ही मामला दर्ज किया जा चुका है।

तीसरे दिन 28 उम्मीदवारों की तरफ से 31 नामांकन पत्र दाख़िल : सिबिन सी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

लोक सभा मतदान- 2024 के लिए नामांकन पत्र भरने के तीसरे दिन पंजाब में 13 लोक सभा सीटों के लिए 28 उम्मीदवारों की तरफ से 31 नामांकन पत्र दाख़िल किये गए हैं। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि लोक सभा हलका फतेहगढ़ साहब और होशियारपुर से एक- एक उम्मीदवार की तरफ से नामांकन पत्र दाख़िल किया गया है। संगरूर, अमृतसर, बठिंडा और फ़िरोज़पुर से दो- दो उम्मीदवारों की तरफ से नामांकन पत्र दाख़िल किये गए हैं, जबकि पटियाला से तीन, आनन्दपुर साहब से तीन, खडूर साहब से चार और लुधियाना से पाँच उम्मीदवारों की तरफ से नामांकन पत्र दाख़िल किये गए हैं। वहीं फरीदकोट से 3 उम्मीदवारों ने 6 नामांकन पत्र दाख़िल किये हैं। यहाँ 1 उम्मीदवार की तरफ से 4 फार्म भरे गए हैं। 7 मई से 9 मई तक 61 उम्मीदवारों की तरफ से 68 नामांकन पत्र दाख़िल किये जा चुके हैं।

पंजाब पुलिस ने अंतर-राज्यीय हथियार तस्करी रैकेट का किया पर्दाफाश; 6 पिस्तौलों समेत 2 व्यक्ति काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/जालंधर

काउन्टर इंटेलिजेंस (सी.आई.) जालंधर द्वारा ख़ुफिया सूचना पर कार्यवाही करते हुए ने एक अंतर-राज्यीय हथियार तस्करी रैकेट का पर्दाफाश कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गए इन दोषियों के कब्ज़े से 6 पिस्तौलें जिनमें पाँच .32 बोर के पिस्तौल और एक .30 बोर पिस्तौल समेत सात कारतूस बरामद किये हैं। यह जानकारी आज यहाँ पंजाब पुलिस के डायरैक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी मट्टू निवासी रईआ और राहुल मसीह निवासी गाँव चविंडा देवी, अमृतसर के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि

प्राथमिक जांच से पता लगा है कि यह रैकेट धड़ल्ले से काम कर रहा था और पिछले छह महीनों में मध्य प्रदेश के उज्जैन से हथियारों की चार बड़ी खेपें प्राप्त कर चुका है। उन्होंने आगे बताया कि मॉड्यूल मैंबर अमरीका आधारित आपराधिक इकाई के संपर्क में थे और उसके ही निर्देशों पर हथियारों की खेप प्राप्त करते थे।

कांग्रेस ने पंजाब को हिंदू-सिख के नाम पर बांटने की कोशिश की : जाखड़

प्राण प्रतिष्ठा समारोह का विरोध करने वाले कांग्रेस के नेता चुनावों के समय वहां जा कर खिंचवा रहे सेल्फी

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर / दसुआ

दसुआ में जनसभा में पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को पाखंडी तथा धोखेबाज करार दिया। जाखड़ बोले, कांग्रेस ने पंजाब को हिंदू और सिख के नाम पर तोड़ने की नापाक कोशिश की। यह वही पार्टी है जिसने कहा था कि पंजाब में हिंदू चेहरा आ गया तो यहां आग लग जाएगी। पंजाब भाजपा प्रधान ने कहा कि कांग्रेस में जो लोग चुनाव से पहले राम मंदिर प्राण

प्रतिष्ठा समारोह का विरोध कर रहे थे वही आज चुनाव आते ही राम-राम रटने लगे हैं। आज ये लोग परिवारों के साथ राम मंदिर जाकर वहां सेल्फी खिचवा रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत आप और कांग्रेस के सभी नेताओं को सेल्फी की बीमारी है। उनकी राम में आस्था नहीं है, बल्कि मजबूरी है। मजबूरी हिंदुओं के वोट लेने की। लेकिन सेल्फी खींचकर ना जानता का आशीर्वाद मिलता है और ना जनार्दन का।

जाखड़ बोले, मैंने 50 साल बाद कांग्रेस इसीलिए छोड़ी, क्योंकि उस पार्टी में अब पाखंडियों का बोलबाला है। उन्होंने पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को घेरते हुए कहा कि जिन्होंने राम मंदिर को बुरा-भला कहा वही कुछ दिन पहले लुधियाना में गायक (अब भाजपा नेता) कन्हैया लाल मित्तल के भगवान राम के भजनों पर नाच रहे थे। यह इनका पाखंड है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अंबिका सोनी को निशाने पर लेते हुए जाखड़ ने कहा उन्होंने मेरे सीएम बनने का विरोध इसलिए किया था क्योंकि मैं हिंदू हूं। सोनी और उनके जैसे नेताओं ने तब कहा था कि पंजाब में हिंदू आ गया तो आग लग जाएगी। पंजाब में हिंदू-सिख भाईचारे को खत्म करने का जो काम पाकिस्तान एके 47 के दम पर नहीं कर सका, वह काम अंबिका सोनी और उनके जैसे नेताओं ने धर्म और जात के नाम पर करने की कोशिश की।

पूर्व विधायक सुखजीत कौर भाजपा में शामिल : शिरोमणि अकाली दल की पूर्व विधायक सुखजीत कौर साही अपने बेटे डॉक्टर हरसिमरत सिंह साही और समर्थकों के साथ वीरवार को भाजपा में शामिल हो गईं।

ईडी ने किया सीएम केजरीवाल की जमानत अर्जी का विरोध

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट कथित एक्साइज पॉलिसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर 10 मई यानि शुक्रवार को अपना फैसला सुनाने वाला है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को ईडी ने अंतरिम जमानत याचिका पर अपना विरोध दर्ज कराते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। इस मामले में गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करने वाली पीठ की अध्यक्षता करने वाले जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा था, "हम शुक्रवार को अंतरिम आदेश (अंतरिम जमानत पर) सुनाएंगे। गिरफ्तारी को चुनौती देने से जुड़े मुख्य मामले पर भी उसी दिन फैसला किया जाएगा।'

ईडी की उप निदेशक भानु प्रिया ने केजरीवाल के अंतरिम जमानत की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा विचार करने से एक दिन पहले अपना हलफनामा दाखिल किया। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के आधार पर सीएम केजरीवाल को अंतरिम जमानत देना, एक मिसाल कायम करेगा जो सभी बेईमान राजनेताओं को अपराध करने, चुनाव की आड़ में जांच से बचने की अनुमति देगा।

नकली टैक्स वसूली घोटाले का भगौड़ा मुलजिम विजीलैंस ब्यूरो द्वारा काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने एक भगौड़े मुलजिम सतपाल चौधरी निवासी गाँव मुरतज़ाबाद (सतबागड़ी), ज़िला पलवल, हरियाणा को गिरफ्तार किया है। ज़िक्रयोग्य है कि यह मुलजिम हाईकोर्ट द्वारा आगामी ज़मानत पटीशन ख़ारिज होने के बाद अपनी गिरफ्तारी से बच रहा था। वह एस.ए.एस. नगर जिले के टैक्स कलैक्शन सैंटर, झरमड़ी, लालड़ू में राज्य में दाख़िल होने वाले व्यापारिक वाहनों से नकली कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और नकली स्टैंप्स/सीलों का प्रयोग करके टैक्स वसूली करने सम्बन्धी एक घोटाले में वांछित था।

इस केस में हरपाल सिंह निवासी गाँव हसनपुर, फतेहाबाद, हरियाणा, सलिन्दर सिंह निवासी गाँव बिशनपुरा, ज़ीरकपुर और प्रवीन कुमार निवासी गाँव खानपुर, खरड़, एस.ए.एस. नगर के तीन मुलजिमों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जोकि अंतरराज्यीय टैक्स वसूली केंद्र में नकली कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और नकली स्टैंप्स/सीलों का प्रयोग करते थे।

मुलजिमों के साथी सतपाल चौधरी को भी परिवहन विभाग के ई-परिवहन सॉफ्टवेयर की तर्ज पर तैयार किये नकली सॉफ्टवेयर का लिंक मुहैया करवाने के दोष अधीन नामज़द किया गया था।

अकाली दल के उम्मीदवार हरदीप सिंह बुटेरला सैंकड़ों समर्थकों के साथ 'आप' में शामिल

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के साथ चंडीगढ़ में भी आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ी मजबूती मिली है। वहीं अकाली दल बादल को बहुत बड़ा झटका लगा है। शिरोमणि अकाली दल के चंडीगढ़ से 2024 लोकसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवार हरदीप सिंह बुटरेला अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ वीरवार को अकाली दल छोड़कर आप में शामिल हो गए। आम आदमी पार्टी पंजाब के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरदीप सिंह बुटेरला और उनके सभी साथियों को पार्टी में औपचारिक तौर पर शामिल कराया और उनका आप परिवार में स्वागत किया।

हरदीप सिंह बुटेरला चंडीगढ़ से 3 बार वार्ड पार्षद रहे हैं। वह नगर निगम चंडीगढ़ के सीनियर डिप्टी मेयर भी रह चुके हैं। चंडीगढ़ लोगों के बीच मजबूत पकड़ के कारण ही अकाली दल ने उन्हें इस बार लोकसभा चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया था। उनके पार्टी छोड़ने से अकाली को बड़ा नुकसान होना तय है। आम

आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद बुटेरला ने पार्टी में शामिल कराने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान को धन्यवाद दिया और कहा कि मान सरकार के पिछले दो सालों के कार्यों और लोक कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर मैं आम आदमी पार्टी में शामिल हुआ हूं।

हरदीप बुटेरला ने कहा कि वह आज काफी देर तक मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बैठ विकास कार्यों पर चर्चा की। उनके पास पंजाब के विकास के लिए बड़ा विज़न है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि मुझे और मेरे साथियों को चंडीगढ़ के लोगों के काम करवाने के लिए किसी पार्टी का हाथ पकड़ना पड़ेगा, इसलिए हमने आम आदमी पार्टी को और भगवंत मान को चुना, जिनके विजन के साथ पंजाब आगे बढ़ रहा है।

निज्जर हत्याकांड में विदेश मंत्रालय का दावा- कनाडा से औपचारिक राजनयिक संवाद नहीं हुआ

नई दिल्ली. विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को दावा किया कि उन्हें भारत में नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से कथित तौर पर जुड़े तीन भारतीयों की गिरफ्तारी के बारे में पता था, लेकिन कनाडा से इस बारे में कोई औपचारिक संचार नहीं हुआ था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि कनाडाई अधिकारियों द्वारा आज तक कोई विशिष्ट या प्रासंगिक सबूत या जानकारी साझा नहीं की गई है। इसलिए आप हमारे विचार को समझेंगे कि मामले का पहले से ही आकलन किया जा रहा है। जाहिर है, इसमें राजनीतिक हित काम कर रहे हैं। उन्होंने इस पर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि कनाडा अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वालों को राजनीतिक जगह दे रहा है।

पंजाब के प्राण सभरवाल पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित

एनटीएएस के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं प्राण सभरवाल

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रपति ने पंजाब के प्राण सभरवाल को नई दिल्ली में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह -2 में कला के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया। प्राण सभरवाल बोर्ड ऑफ नेशनल थिएटर आर्ट्स सोसाइटी (एनटीएएस) के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं, जिन्हें थिएटर में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

9 दिसंबर 1930 को जन्मे सभरवाल ने 1953 में पंजाब विश्वविद्यालय से कला स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उनका थिएटर ग्रुप एनटीएएस 1953 में अस्तित्व में आया। 1952 से 'ए' श्रेणी के रेडियो और दूरदर्शन नाटक कलाकार होने के नाते उन्होंने 500 रेडियो और राष्ट्रीय आकाशवाणी नाटकों,

टीवी फिल्मों, नाटकों, धारावाहिकों, तीन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पंजाबी फिल्मों और केंद्र व राज्य सरकारों के कई "लाइट एंड साउंड" शो में हिस्सा लिया। अपनी 70 वर्षों की अनवरत थियेटर यात्रा के दौरान उन्होंने केंद्र, राज्य सरकारों के ज्ञानवर्धक शो में नाट्य अभिनेता और वन-मैन हास्य कलाकार के रूप में करीब पांच हजार मंचीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रशंसा अर्जित की। इसके अलावा, उन्होंने 2500 से अधिक युवाओं को थिएटर का प्रशिक्षण दिया।

सभरवाल ने 1967 में पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला में "भाषण, नाटक और संगीत विभाग" स्थापित किया, जहां उन्होंने 3 वर्षों तक अभिनय सिखाने के लिए संकाय सदस्य के रूप में कार्य किया। विभाग का नाम बदलकर "थिएटर और टेलीविजन विभाग" कर दिया गया, जहां वह 2017 तक विभाग के "फेलो" के रूप में मार्गदर्शन करते रहे। सभरवाल 1962 में पटियाला चले गए और 1988 तक हर साल प्रत्येक स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर 2 दिवसीय थिएटर उत्सव का आयोजन करते रहे और 50 वार्षिक थिएटर उत्सव पूरे किए। सभरवाल ने अपनी कलाकार पत्नी सुनीता सभरवाल के साथ विश्व पंजाबी संघों, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और आईसीसीआर के सहयोग से वर्ल्ड थियेटर टूर की व्यवस्था की। उन्होंने कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, पेरिस, हंगरी, चेकोस्लोवाकिया, पोलैंड, नॉर्वे, सिंगापुर और मलेशिया का दौरा किया और बैठक, प्रस्तुतियां और फोटो प्रदर्शनियां आयोजित करके उनके साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत किया।

सभरवाल को पंजाबी थिएटर आंदोलन के इतिहास, जीवित शख्सीयतों के इंटरव्यू और उनकी रचनाओं को दर्शाने वाली दो एपिसोड वाली टीवी डॉक्यूमेंट्री फिल्म "रंग लोक दी गाथा" के निर्माण के लिए दुनिया भर में पहचान मिली।

धोखेबाजों को जालंधर की जनता जवाब देगी : भगवंत मान

मान ने शाहकोट में जालंधर से उम्मीदवार पवन कुमार टीनू के लिए किया प्रचार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/शाहकोट/जालंधर

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को जालंधर से आप उम्मीदवार पवन कुमार टीनू के लिए शाहकोट में प्रचार किया, जहां हजारों लोगों ने उत्साह और गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान का फूलों और 'आम आदमी पार्टी जिंदाबाद' के नारों से स्वागत किया गया। मान ने कहा कि वह इस प्यार के कर्जदार हैं। यह ईश्वर की कृपा है कि उन्हें यह प्यार मिला है, अन्यथा लोग दूसरे राजनेताओं को रत्ती भर भी पसंद नहीं करते और उनसे मिलने को अपशकुन मानते है।

मान ने रतन सिंह कक्कड़ कलां को भी श्रद्धांजलि दी और कहा कि वह उनके परिवार से भी मिले। मान ने कहा कि रतन सिंह जमीन से जुड़े और सर्वप्रिय नेता थे। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि

उन्हें खुशी है कि वोट मांगने के लिए उन्हें कुछ बोलना ही नहीं पड़ता। उनकी सरकार का काम खुद बोलता है। आपका शून्य बिजली बिल हमारे लिए बोल रहा है। 43,000 सरकारी नौकरियां बोल रही हैं। 'कस्सी' और 'रजवाहे' में पानी बोल रहा है। बंद टोल प्लाजा और आपके राशन कार्ड हमारे लिए बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पंजाब में 16 टोल प्लाजा बंद कर दिए जिससे पंजाबियों को रोजाना करीब 60 लाख की बचत हो रही है। वहीं शून्य बिजली बिल ने आम जनता का आर्थिक बोझ हल्का किया है।

फैमिली के साथ चित्रकूट जाने की कर सकते हैं प्लानिंग

TRAVELLING

घूमने-फिरने के शौकीनों को चित्रकूट जैसी जगह को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। वनवास के दौरान इसी जगह पर प्रभू राम ने कई वर्ष बिताए थे...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

चित्रकूट एक बेहद खूबसूरत शहर है। यह जगह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच विंध्य पर्वत और घने जंगलों से घिरी हुई है। इस जगह पर लोगआध्यात्मिक एनर्जी के साथ-साथ सुकून की तलाश में भी आते हैं। चित्रकूट में घूमने के लिए काफी सारी जगह हैं, जिन्हें आप परिवार के साथ एक्सप्लोर कर सकते हैं।

स्फटिक शिला- स्फटिक शिला अपनी सुंदर सेटिंग और पौराणिक महत्व के कारण चित्रकूट में सबसे फेमस स्थलों में से एक है। चित्रकूट में भगवान राम और देवी सीता से संबंधित कई जगह हैं, स्फटिक शिला उन जगहों में से एक है। ये शिला उन पॉलिश चट्टानों को संदर्भित करता है जिन पर भगवान राम के पैर की छाप है।

जानकी कुंड- मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित जानकी कुंड, हिंदुओं के लिए एक पवित्र जगह है क्योंकि इसका उल्लेख हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथों में भी किया गया है। कहते हैं कि ये वह जगह है जहां देवी सीता अपने निर्वासन के दौरान रोजाना नहाया करती थीं।

रामघाट- हिंदू परंपरा के अनुसार रामघाट एक पवित्र जगह है। ये भी मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है। राम घाट चित्रकूट के सबसे फेमस पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

गुप्त गोदावरी गुफाएं- चित्रकूट कई शानदार आकर्षणों का घर है, लेकिन गुप्त गोदावरी गुफाएं अपने महत्व के लिए हिंदुओं के बीच मशहूर हैं। कहा जाता है कि भगवान राम और भगवान लक्ष्मण अपने वनवास के दौरान दरबार लगाने के लिए यहां मिले थे। गुफा के प्रवेश द्वार पर ब्रह्मा, विष्णु और शिव की मूर्तियां है।

SKIN CARE

खरबूजे के छिलके फेंके नहीं इस तरह करें स्किन केयर में इस्तेमाल

खरबूजे खाना पसंद है और गर्मियों में जमकर खा रहे हैं तो इनके छिलकों को फेंके नहीं इन स्मार्ट तरीकों से स्किन और हेयर केयर में इस्तेमाल करें। ड्राइनेस और एजिंग की समस्या होगी दूर।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

गर्मियां चरम पर हैं और मार्केट में खरबूजे खूब बिक रहे हैं। इन रसीले फलों को खाने से सेहत को कई सारे फायदे मिलते हैं। लेकिन खरबूजा खाकर अगर आप इसके गूदे और छिलके को फेंक देते हैं।

तो जान लें ये छिलके आपकी स्किन को कैसे सुंदर बना सकते हैं। एक बार नुस्खा जानने के बाद आप भी इन छिलकों को फेंकना बंद कर देंगे। तो चलिए जानें कैसे करें इन बेकार से छिलकों को स्किन केयर के लिए इस्तेमाल।

खरबूजे से बनाएं फेस पैक

गर्मियों में चेहरे पर ड्राईनेस डिहाइड्रेशन की निशानी होती है। कई बार ये रूखापन मॉइश्चराइजर से भी नहीं जाता। ऐसे में खरबूजे को मैश करें और इसमे दही के साथ थोड़े से ओट्स का पाउडर मिला लें। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और बीस मिनट बाद हल्के हाथों से मसाज कर पानी से धो लें। ये फेस पैक चेहरे की ड्राईनेस को कम करता है। साथ ही पॉल्यूशन और यूवी रेज से होने वाले स्किन के नुकसान को भी बचाता है।

एजिंग होने से रोकता है खरबूजा

खरबूजे के छिलके को लें और इस पर शहद लगाकर सीधे फेस पर रगड़ें। इससे स्किन पर हो रही फाइन लाइंस दूर होगी और साथ ही स्किन को इलास्टिसिटी मिलेगी।

बालों को बनाएगा सॉफ्ट

बालों को सॉफ्ट और शाइनी बनाना चाहती हैं तो खरबूजे के छिलके का पेस्ट बना लें। फिर इसमे कोकनट ऑयल मिलाएं और बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर माइल्ड शैंपू से धो लें। इससे बाल मजबूत भी होंगे और सिल्की शाइनी भी बनेंगे।

गर्मी में चेहरे पर इस तरह लगाएं मुल्तानी मिट्टी, स्किन को मिलेगी ठंडक

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

गर्मी के दिनों में स्किन से जुड़ी तरह-तरह की समस्याएं हो सकती हैं। तेज धूप के कारण स्किन पर सनबर्न हो सकता है। ऐसे में स्किन को ठंडक देना बेस्ट है। इसके लिए आप मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल से फेस पैक बनाने का तरीका बता रहे हैं, जानिए। ये फेस पैक आपकी स्किन की रंगत को सुधारेगा और ठंडक देगा। स्किन के लिए बेहतरीन है मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल का फेस पैक

मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल फेस पैक स्किन के लिए बेहतरीन है। फेस पैक में गुलाब जल का इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने सुखदायक और हाइड्रेटिंग गुणों के लिए फेमस है। यह स्किन के पीएच संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है, साथ ही ये एकस्ट्रा तेल को नियंत्रित करता है। इस फेस पैक को लगाकर अलग-अलग स्किन की समस्या से निपटा जा सकता है। वहीं मुल्तानी मिट्टी स्किन को साफ और डिटॉक्सीफाई करती है। यह नैचुरल चमक देता है, वहीं छिद्रों को कस सकता है और त्वचा की बनावट में सुधार कर सकता है।

फेस बनाने के लिए आपको चाहिए-

2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी
1 बड़ा चम्मच गुलाब जल
1 चम्मच शहद

कैसे बनाएं

इस फेस पैक को बनाने के लिए एक कटोरे में मुल्तानी मिट्टी, गुलाब जल और शहद मिलाकर चिकना पेस्ट बना लें। फिर इस इस मिक्स को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में गुनगुने पानी से धो लें और थपथपा कर सुखा लें।

डिस्क्लेमर : *इस आर्टिकल में बताई विधि, तरीकों व दावों को केवल सुझाव के रूप में लें। इस तरह के किसी भी उपचार/दवा/डाइट और सुझाव पर अमल करने से पहले डॉक्टर या एक्सपर्ट से सलाह लें।*

मीठी और फ्रेश लीची खरीदने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

व्यक्ति के मुंह का स्वाद, पैसे और सेहत उस समय खराब हो जाते हैं, जब आप गलती से बाजार से केमिकल से पकी हुई लीची खरीदकर घर ले आते हैं। अगर आप अपने स्वाद के साथ परिवार की सेहत...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

गर्मियों में रसदार फल ना सिर्फ मुंह में मिठास घोलते हैं बल्कि बॉडी को भी हाइड्रेट रखकर ठंडक पहुंचाते हैं। ऐसा ही एक जूसी फ्रूट लीची है। लीची में फोलेट, पोटैशियम, मैग्नशियम, विटामिन सी, वटिामनि बी6 जैसे कई जरूरी न्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं।

जो व्यक्ति की इम्यूनिटी को मजबूत बनाकर उसे कई रोगों से दूर रखने में मदद करते हैं। लेकिन व्यक्ति के मुंह का स्वाद, पैसे और सेहत उस समय खराब हो जाते हैं, जब आप गलती से बाजार से केमिकल से पकी हुई लीची खरीदकर घर ले आते हैं। अगर आप अपने स्वाद के साथ परिवार की सेहत का भी ख्याल रखना चाहते हैं तो लीची खरीदते समय ध्यान रखें ये बातें।

लीची का आकार - बाजार से कभी भी ऐसी लीची ना खरीदें, जिसका आकार काफी बड़ा हो। अगर लीची बहुत बड़ी है तो हो सकता है कि उसे केमिकल की मदद से पकाया गया हो।

लीची का छिलका- कभी भी ऐसी लीची ना खरीदें, जिसका ऊपर से छिलका सफेद या बहुत अधिक भूरा हो। अगर आप ऐसी लीची खरीदते हैं तो वह जल्दी खराब हो जाती है। इसके अलावा अगर लीची का छिलका टूटा हुआ है या ज्यादा गीला है, तो लीची में सड़न हो सकती है, ऐसी लीची न खाएं। इस तरह की लीची खाने से आपके पेट में दर्द हो सकता है।

कच्ची लीची की पहचान- कच्ची लीची खाने से पेट में दर्द हो सकता है इसलिए हमेशा पकी हुई लीची ही खानी चाहिए। लीची की पहचान करने के लिए उसके ऊपरी भाग को छू कर देखें। अगर लीची बाहर से बहुत सख्त है, तो इसका मतलब है कि वह लीची कच्ची है।

रंग से पहचानें- कभी भी हरे रंग की लीची ना खरीदें। इस रंग की लीची अंदर से पकी हुई नहीं होती है। कोशिश करें कि हमेशा गुलाबी या लाल रंग वाली ही लीची खरीदें।

खुशबू से करें पहचान- अगर लीची पकी हुई है तो उससे मीठी खुशबू आती है। वरना कच्ची लीची से खट्टी खुशबू आएगी।

ब्रेस्टफीडिंग के दौरान अक्सर महिलाएं कर जाती हैं कुछ गलतियां

नई मां को अक्सर ब्रेस्टफीडिंग करवाने में समस्याएं होता हैं। इस दौरान बच्चे को सही तरह से पकड़ने से लेकर खुद सही बैठना जरूरी है। यहां एक्सपर्ट द्वारा शेयर की गई टिप्स को जानिए।

जालंधर ब्रीज (फीचर) . नई मां और नन्हें बच्चे दोनों की सेहत के लिए ब्रेस्टफीडिंग बहुत जरूरी है। हालांकि, नई मां के लिए इसे करवाना चैलेंजिंग हो सकता है। क्योंकि ब्रेस्टफीड करवाने के अलावा भी कई बातों का ध्यान रखना होता है। जैसे इस दौरान बच्चे को किस तरह से पकड़ें, ब्रेस्टमिल्क लीक होने पर क्या करें, कितनी बार दूध पिलाएं वगैराह। ऐसे कई सवाल नई मां को परेशान कर सकते हैं। ऐसे में लैक्टेशन कोच ऋषिका मेनन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए ब्रेस्टफीडिंग से जुड़ी कुछ टिप्स शेयर की हैं। जो नई मां के काम आएंगी।

ब्रेस्टफीडिंग से जुड़ी टिप्स

अपने बच्चे का ध्यान रखें, समय का नहीं : बच्चे की कुछ हरकतों से पता चलता है कि उन्हें भूख लगी है। ऐसे में बच्चे का होठों को थपथपाना, सिर घुमाना और मुंह खोलना, या उंगलियों को चूसना जैसे संकेतों पर गौर करें। इन संकेतों के जवाब में यानी बच्चे की मांग पर दूध पिलाना सुनिश्चित करें। ऐसा करने पर आपके बच्चे को सही मात्रा में पोषण मिलता है और हेल्दी ग्रोथ में मदद मिलती है। जबकि कुछ एक्सपर्ट दूध पिलाने के लिए 2 घंटे का समय सेट करने की सलाह देते हैं। हालांकि, एक्सर्ट मानती हैं कि बच्चे की जरूरतों को ध्यान रखते हुए दूध पिलाना बेहतर है।

ब्रेस्टफीडिंग दर्दनाक नहीं होना चाहिए : अगर आपको ब्रेस्टफीडिंग के दौरान दर्द का अनुभव होता है, तो यह आमतौर पर एक संकेत है कि कुछ गड़बड़ है। आरामदायक स्तनपान के लिए सही लैचिंग और पोजिशनिंग जरूरी है। अगर दर्द होता है, तो अपने चेक करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बच्चा सिर्फ निपल ही नहीं बल्कि एरिओला का भी पर्याप्त भाग अंदर ले रहा है। दर्द का कारण बनने वाली सामान्य समस्याओं में शैलो लैचिंग, अधूरी पॉजिशन, या जीभ-टाई शामिल हैं। अगर आपको दर्द का अनुभव रहता है, तो एक्सपर्ट से सलाह लें। क्योंकि ब्रेस्टफीडिंग से दर्द नहीं बल्की जुड़ाव का अनुभव होना चाहिए।

स्तनपान कराते समय आपका आराम है जरूरी : ब्रेस्टफीडिंग के समय ऐसी स्थिति ढूंढना जरूरी है जो आपके लिए आरामदायक हो। जैसे तकिए के साथ एक कुर्सी पर बैठना या एक तरफ लेटना। इससे होता यह है कि आप आराम से बैठकर बच्चे को अच्छी तरह से ब्रेस्टफीड करवा सकते हैं। ऐसा करने से आप ब्रेस्टफीडिंग टाइम को और ज्यादा मनोरंजक बना सकता है।

सेहत को पूरी तरह से खराब कर देती हैं खाने की ये चीजें

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, केक और कुकीज जैसी खाने की चीजों को अन्हेल्दी माना जाता है।क्योंकि इस तरह की खाने की चीजों को खाकर कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ज्यादातर लोग ग्रोसरी शॉपिंग के लिए शॉपिंग मार्ट्स में जाते हैं और इस दौरान वह खाने पीने की ऐसी चीजें लेते हैं जिनसे उन्हें बचना चाहिए।हॉर्मोन कोच पूर्णिमा पेरी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर कुछ ऐसी खाने की चीजें बताई हैं जो सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचात हैं और उन्हें खाने से बचना चाहिए।

पैकेट वाली खाने की चीजों के अलावा पिज्जा, बर्गर,केक और कुकीज जैसी खाने की चीजों को अन्हेल्दी माना जाता है। इन चीजों को से कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं।

1) आलू के चिप्स- पैकेज्ड या बेकरी चिप्स, दोनों ही रिफाइंड तेल में तले जाते हैं और ट्रांस फैट से भरपूर होते हैं। ये कोलेस्ट्रॉल और दिल की सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं।

2) इंस्टेंट नूडल्स- ये नूडल्स सादा मैदा है जिसमें कोई फाइबर, प्रोटीन और जरूरी मिनरल्स नहीं होते हैं। इनमें पाम ऑयल होता है जो खराब ट्रांस फैट से भरा होता है।

3) फ्रूट जूस- मार्केट में कई ऐसे जूस हैं जो '100%' फलों के अर्क होने का दावा करते हैं। हालांकि, उनमें सबसे ज्यादा चीनी, प्रिजरवेटिव और एक्सट्रा फ्लेवर होता है। जो आपके ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ाने के लिए पर्याप्त हैं।

4) सोड़ा ड्रिंक्स- यह चीनी और सोडा से भरपूर है और ये सेहत के लिए सबसे ज्यादा खराब होती हैं। इसकी वजह से मोटापा, ब्लड शुगर के लेवल बढ़ना, हाई कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज जैसी समस्या हो सकती है।

5) चॉकलेट अनाज- मार्केट में आजकल ब्रेकफास्ट के लिए कई फ्लेवर वाले अनाज मिलते हैं। चॉकलेट सेरेल्स उनमें से एक है। इन अनाजों को ताड़ के तेल में तला जाता है, इसलिए इनमें चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी या केले के एक्सट्रा फ्लेवर के साथ अनहेल्दी फैट होता है।

6) डाइजेस्टिव बिस्कुट- डाइजेस्टिव बिस्कुट खाने के बजाय घर पर कुकीज बनाएं या हफ्ते में एक बार अपने पसंदीदा बिस्किट कम मात्रा में खाएं। डाइजेस्टिव बिस्कुट सामान्य बिस्कुट से कम नहीं हैं, क्योंकि उनमें फाइबर और प्रोटीन की मात्रा बहुत कम होती है और ट्रांस फैट की मात्रा ज्यादा होती है।

डिस्क्लेमर : *इस आर्टिकल में बताई विधि, तरीकों व दावों को केवल सुझाव के रूप में लें। इस तरह के किसी भी उपचार/दवा/डाइट और सुझाव पर अमल करने से पहले डॉक्टर या एक्सपर्ट से सलाह लें।*

निज्जर की हत्या के तीन भारतीय आरोपियों की हुई पेशी, खचाखच भरी अदालत; लगे खालिस्तानी नारे

• **जालंधर ब्रीज** . वर्ल्ड न्यूज

खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए तीन भारतीय नागरिक हत्या के आरोपों का सामना करने के लिए पहली बार वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कनाडा की एक अदालत में पेश हुए। कनाडा स्थित समाचार वेबसाइट ग्लोब एंड मेल के अनुसार, पेशी के दौरान अदालत कक्ष में भीड़ उमड़ पड़ी। जैसे ही नारंगी जंपसूट पहने तीनों अदालत में पेश हुए, सरे प्रांतीय अदालत के बाहर खड़े खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारी नारे लगाने लगे। उन्होंने तख्तियां ले रखी थीं, जिसमें हत्या के लिए भारत सरकार को दोषी ठहराया गया था। वे जोर-जोर से खालिस्तान समर्थक नारे लगा रहे थे। इस हत्याकांड से कनाडा-भारत के संबंधों में तनाव पैदा हो गया है।

एडमॉन्टन में रहने वाले भारतीय नागरिकों 22 वर्षीय करण बराड़, 22 वर्षीय कमलप्रीत सिंह और 28 वर्षीय करणप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया और शुक्रवार को उन पर हत्या व हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया। 'वैंकूवर सन' अखबार ने बताया कि सुरे की खचाखच भरी प्रांतीय अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए तीनों को अलग-अलग पेश किया गया। वे अपने वकीलों से सलाह-मशविरा करने के लिए वक्त दिए जाने की वजह से 21 मई तक मुकदमे की सुनवाई स्थगित करने पर सहमत हुए।

ऐसा माना गया है कि गिरफ्तार किए गए लोग उस कथित समूह के सदस्य हैं जिन्हें निज्जर की हत्या करने का काम सौंपा था। खबर में कहा गया है कि वे ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में सरे प्रांतीय अदालत में पेश हुए। प्रत्येक आरोपी को जेल की लाल रंग की टी-शर्ट और पैंट पहने हुए नॉर्थ फ्रेजर प्रीट्रायल सेंटर से अलग-अलग पेश किया गया। दो आरोपियों को सुबह पेश किया गया जबकि कमलप्रीत सिंह को एक वकील से विचार-विमर्श करने का समय देने के लिए दोपहर के भोजन के बाद पेश किया गया।

उन्होंने तख्तियां ले रखी थीं, जिसमें हत्या के लिए भारत सरकार को दोषी ठहराया गया था। वे जोर-जोर से खालिस्तान समर्थक नारे लगा रहे थे। इस हत्याकांड से कनाडा-भारत के संबंधों में तनाव पैदा हो गया है।

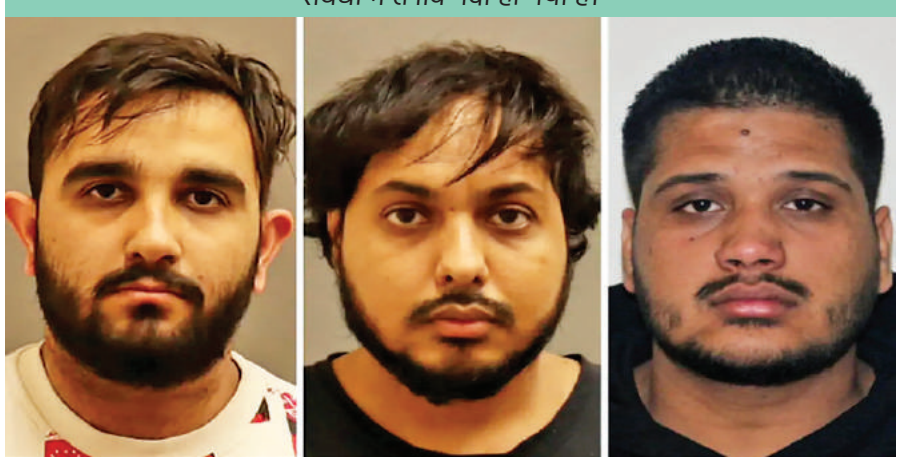

खबर में कहा गया है कि तीनों अंग्रेजी भाषा में मुकदमा चलाए जाने पर राजी हुए और तीनों ने माना कि उन्हें निज्जर की प्रथम-डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने के आरोपों के बारे में पता है। अदालत ने क्राउन अभियोजकों के उस अनुरोध को स्वीकार कर लिया कि कनाडा आपराधिक संहिता के तहत इन आरोपियों पर सात लोगों से संपर्क करने पर रोक रहेगी।

खबर में कहा गया है कि आदेश में जिन सात लोगों का नाम लिया गया है उनमें निज्जर का बेटा बलराज निज्जर (21) और हरजिंदर निज्जर, मेहताब निज्जर, सरनदीप सहज, हरसिमरनजीत सिंह, अर्शदीप कपूर और मलकीत सिंह शामिल हैं। सुरे के आपराधिक और प्रवासी मामलों के वकील अफान बाजवा ने बताया कि आरोपियों का अगला कदम जमानत के लिए याचिका देना होगा। बहरहाल, बाजवा का इस मामले से कोई संबंध नहीं हैं।

बाजवा ने कहा कि उन्हें जमानत पर रिहा करने की संभावना इस पर निर्भर करेगी कि क्या उनके वकील न्यायाधीश के समक्ष मजबूत पैरवी करते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें जमानत पर रिहा करना मुश्किल हो सकता है क्योंकि उनके देश छोड़कर भागने का और जन सुरक्षा को खतरा होगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि अगर मुकदमे की सुनवाई आगे चलती है और उन्हें प्रथम-डिग्री हत्या का दोषी पाया जाता है तो उन्हें कम से कम 25 साल तक पैरोल पर रिहा करने की कोई गुंजाइश नहीं होगी।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान सैकड़ों खालिस्तानी समर्थक अदालत कक्ष में मौजूद थे। अदालत कक्ष में इतनी भीड़ थी कि सुनवाई देखने की इच्छा रखने वाले अतिरिक्त 50 लोगों के लिए अदालत कक्ष को खोलना पड़ा। अदालत कक्ष के बाहर 100 या इससे अधिक लोगों ने सिख अलगाववाद के समर्थन वाले और खालिस्तानी झंडे लहराए। कनाडाई नागरिक निज्जर (45) की 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गई थी।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा अपने देश में खालिस्तानी तत्वों से संबंधित कुछ टिप्पणियां करने के कुछ दिनों बाद, भारत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ये टिप्पणियां एक बार फिर कनाडा में अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को मिले राजनीतिक स्थान को दर्शाती हैं। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को 'बेतुका' और ''प्रेरित'' बताते हुए खारिज कर दिया था। कनाडा में सिख अलगाववादी समूहों की मौजूदगी पर भारत लंबे समय से आपत्ति जताता रहा है। उसने निज्जर को ''आतंकवादी'' घोषित किया था।

दुनियाभर से अपनी कोविड वैक्सीन वापस लेगी एस्ट्राजेनेका

जालंधर ब्रीज (वर्ल्ड न्यूज) . एस्ट्राजेनेका ने कहा है कि वह अपनी कोविड-19 वैक्सीन दुनियाभर के बाजारों से वापस ले रही है। बीते दिनों कंपनी ने माना था कि उसकी वैक्सीन के गंभीर मामलों में साइड इफेक्ट हो सकते हैंकोविड-19 वैक्सीन के साइड इफेक्ट को लेकर उठ रहे सवालों के बीच एंग्लो-स्वीडिश दवा निर्माता कंपनी एस्ट्राजेनेकाने मंगलवार को कहा है कि उसने दुनियाभर से अपनी वैक्सीन को वापस लेने की पहल की है। कंपनी ने वैक्सीन वापस लेने की वजह भी बताई है। कंपनी ने कहा वैक्सीन को वापस लेने का फैसला उपलब्ध अपडेटेड टीकों की अधिकता है। ईयू से वापस होगी वैक्सजेवरिया कंपनी ने यह भी कहा कि वह यूरोप में वैक्सीन वैक्सजेवरिया को भी वापस लेने के क्रम में आगे बढ़ेगी।

एस्ट्राजेनेका ने अपनी मर्जी से यूरोपीय संघ में अपना "मार्केटिंग ऑथराइजेशन" वापस लिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा, "चूंकि कई तरह के कोविड-19 टीके विकसित किए गए हैं, ऐसे में अपडेटेड टीके अधिक मात्रा में मौजूद हैं" कंपनी ने कहा इससे वैक्सजेवेरिया की मांग में गिरावट आई है, जिसका अब उत्पादन या सप्लाई नहीं की जा रही है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक कंपनी ने वैक्सीन वापस लेने के लिए 5 मार्च को आवेदन किया था और यह 7 मई से प्रभावी हुआ। कंपनी पर आरोप बीते दिनों ब्रिटेन की एक अदालत में एस्ट्राजेनेका ने माना था कि उसकी कोविड-19 वैक्सीन से "अति दुर्लभ मामलों में" थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) की शिकायत हो सकती है। टीटीएस के चलते शरीर में खून में थक्के बनने लगते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या भी गिर जाती है। ब्रिटेन के एक नागरिक ने कंपनी के खिलाफ मुकदमा किया था और इसी मामले में कंपनी ने साइड इफेक्ट की बात मानी थी।

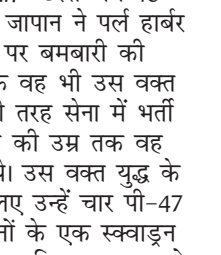

ब्रिटेन से पहले अप्रैल 2024 में जर्मनी में भी एक महिला ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शुरुआती कानूनी लड़ाई जीती। 33 साल की महिला ने एस्ट्राजेनेका की वैक्सजेवरिया वैक्सीन के संभावित साइड इफेक्ट्स के खिलाफ याचिका दायर की थी।

भारत में इसे सीरम इंस्टीट्यूट ने बनाया था। भारतीय अखबार बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक भारत में 29 अप्रैल 2024 तक 1।7494 अरब वैक्सीन लगाई गईं। अखबार ने यह जानकारी भारत सरकार के कोविन पोर्टल के हवाले से दी है।

आरपीओ चंडीगढ़ ने शिकायत निवारण को सुव्यवस्थित किया : लाभार्थियों ने बेहतर प्रणाली की सराहना की

जालंधर ब्रीज (वर्ल्ड न्यूज) . क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) चंडीगढ़, जो चंडीगढ़, पंजाब के 12 जिलों और हरियाणा के 12 जिलों को सेवाएं प्रदान करता है, ने अपने शिकायत निवारण तंत्र को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी श्रीमती. प्रियंका मेहतानी ने कुशल और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के लिए कार्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। "हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक आवेदक को समय पर और परेशानी मुक्त सेवा मिले। प्रतिदिन औसतन 4865 पासपोर्ट आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए, हमने पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 8,42,375 पासपोर्ट जारी किए। आवेदन पर वास्तविक समय के अपडेट के साथ पासपोर्टइंडिया.जीओवी.इन पर उपलब्ध स्टेटस के अनुसार, 98% से अधिक आवेदनों पर उसी दिन कार्रवाई की गई और पासपोर्ट एक सप्ताह के भीतर भेज दिए गए।''- क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने बताया।

जनवरी 2024 से, एक वॉक-इन एप्लिकेशन स्थिति सुविधा शुरू की गई है, जिससे आवेदकों को व्यक्तिगत रूप से अपने आवेदन की स्थिति के बारे में पूछताछ करने की अनुमति मिलती है। इसके अतिरिक्त, दूरदराज के क्षेत्रों के आवेदकों के लिए पंजीकृत पोस्ट, ईमेल और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रश्न स्वीकार किए जाते हैं।

'पहले अंदर, पहले बाहर' दृष्टिकोण अपनाने और एक सपाट संरचना बनाए रखने से, जहां सभी कर्मचारी सदस्य पदानुक्रम की परवाह किए बिना फाइलों को संभालते हैं, कार्यालय की प्रबंधन क्षमता में वृद्धि हुई है। 2023 में 80 पूछताछ नियुक्तियों से लेकर वर्तमान में 300 नियुक्तियों और वॉक-इन के प्रबंधन तक, आरपीओ चंडीगढ़ के शिकायत निवारण तंत्र ने जनता से सराहना प्राप्त की है।

एक प्राप्तकर्ता, जिसने अपनी पहचान न बताने के लिए कहा, ने चंडीगढ़ आरपीओ में कुशल पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया पर टिप्पणी की। उन्होंने उल्लेख किया कि पीएसके में उनकी नियुक्ति तिथि की शाम को ही उन्हें पुलिस सत्यापन के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन से फोन आया। नियुक्ति के 10 दिनों के भीतर उन्हें अपना पासपोर्ट प्राप्त भी हो गया। उन्होंने कहा कि हालांकि पीएसके के बाहर काफी भीड़ थी, ऐसा आवेदकों की बड़ी संख्या और कुछ द्वारा अपनी नियुक्ति के समय का पालन न करने के कारण हुआ, जिसके लिए पासपोर्ट कार्यालय की कोई गलती नहीं थी।

विश्व युद्ध II का हीरो 100 की उम्र में करने जा रहा शादी, 96 साल की है प्रेमिका; गजब इनकी प्रेम कहानी

• **जालंधर ब्रीज** . वर्ल्ड न्यूज

अमेरिका के लिए विश्व युद्ध II में जी जान से लड़े हेरोल्ड टेरेन्स एक बार फिर चर्चा में हैं। वह अगले महीने फ्रांस में अपनी प्रेमिका से शादी करने जा रहे हैं। उनकी उम्र 100 वर्ष और उनकी प्रेमिका 96 साल की है। दोनों 2021 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। वेडिंग वेन्यू भी बेहद खास है। उन्होंने बताया कि शादी उस समुद्री तट पर हो रही है जहां वर्ल्ड वॉर के दौरान अमेरिकी सैनिक लड़ने के लिए उतरे थे।

जानकारी के अनुसार, अपनी शादी को लेकर हेरोल्ड काफी एक्साइटेड हैं। वह अपनी शादी को यादगार बनाना चाहते हैं। विश्व युद्ध II के दौरान अमेरिकी वायु सेना का हिस्सा रह चुके हेरोल्ड को 6 जून के दिन डी-डे लैंडिंग की 80वीं वर्षगांठ पर सम्मानित किया जाएगा। यह वो ऐतिहासिक दिन था, जब अमेरिका ने मित्र देशों में शामिल होकर विश्व युद्ध का रुख बदल दिया था। इस युद्ध में हेरोल्ड उन चुनिंदा भाग्यशाली लोगों में से एक थे, जो जिंदा बचकर लौटे थे।

सम्मानित होने के दो दिन बाद हेरोल्ड अपनी प्रेमिका जीन स्वेरलिन से फ्रांस के उस समुद्री तट पर आधिकारिक रूप से एक-दूसरे के हो जाएंगे, जहां विश्व युद्ध II के दौरान 1944 में हजारों अमेरिकी सैनिक उतरे थे। विवाह कार्यक्रम शहर के मेयर की उपस्थिति में होगा।

विश्व युद्ध II में जी जान से लड़े हेरोल्ड टेरेन्स एक बार फिर चर्चा में हैं। वह अगले महीने 96 साल की प्रेमिका से उस जगह शादी करने वाले हैं, जहां विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिक उतरे थे।

ऐसी प्रेम कहानी नहीं सुनी होगी- टेरेंस ने एएफपी को दिए इंटरव्यू में कहा कि "यह एक ऐसी प्रेम कहानी है जैसी आपने पहले कभी नहीं सुनी होगी।" फ्लोरिडा में स्वेरलिन के घर पर एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि वे किशोरों की तरह एक-दूसरे को मिलते हैं, हाथ पकड़ते हैं और एक-दूसरे में खो जाते हैं। स्वेरलिन अपने मंगेतर के बारे में कहती है, "वह बहुत अच्छे हैं, मुझे उनकी हर चीज़ पसंद है। वह सुंदर है और अच्छे किसर भी।"

बेहद जिंदादिल हैं टेरेन्स - सौ साल के हो चुके हेरोल्ड टेरेन्स की जिंदादिली उनकी उम्र से इत्तेफाक नहीं रखती। वह हंसमुख और बहुत मजाकिया है। उनकी याददाश्त भी अपनी उम्र के हिसाब से मैच नहीं करती। वह तारीखों, स्थानों और घटनाओं को बिना किसी रुकावट के याद रखते हैं।

पहली पत्नी की मौत के बाद मिली प्रेमिका

- रिपोर्ट के अनुसार, विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद हेरोल्ड अपने घर लौट आए थे, जहां उन्होंने थेल्मा से शादी की। उनके तीन बच्चे हुए। हेरोल्ड ने एक ब्रिटिश कंपनी के लिए भी काम किया। रिटायरमेंट के बाद उनका परिवार फ्लोरिडा बस गया। 2018 में थेल्मा की मौत के बाद हेरोल्ड अकेले पड़ गए। इस दौरान किसी दोस्त के जरिए हेरोल्ड की स्वेरलिन से मुलाकात हुई। स्वेरलिन विधवा थीं। दो मुलाकातों में दोनों ने तय कर लिया कि वे आगे साथ रहेंगे।

18 साल में हो गए थे भर्ती - टेरेंस जब 18 साल के ही हुए थे, तब जापान ने पर्ल हार्बर में अमेरिकी नौसेना बेस पर बमबारी की थी। होरोल्ड बताते हैं कि वह भी उस वक्त कई युवा अमेरिकियों की तरह सेना में भर्ती होना चाहते थे। 20 साल की उम्र तक वह मोर्स कोड में विशेषज्ञ थे। उस वक्त युद्ध के दौरान इंग्लैड जाने के लिए उन्हें चार पी-47 थंडरबोल्ट लड़ाकू विमानों के एक स्क्वाड्रन का जिम्मा सौंपा गया था। विश्व युद्ध II को याद करते हुए वह कहते हैं, ''उस लड़ाई में हमने बहुत सारे विमान और बहुत सारे पायलट खो दिए थे। हम सभी उस वक्त काफी छोटे थे और अपने दोस्तों को खुद के सामने मरते हुए देखना मेरे लिए बहुत तकलीफदेह था। हालांकि मैं बहुत भाग्यशाली हूं जो जिंदा बचकर लौटा।"

नॉर्मंडी ऑपरेशन के दौरान उनकी कंपनी ने अपने 60 विमानों में से आधे खो दिए। टेरेंस ने युद्ध के दौरान जर्मन कैदियों और मित्र देशों की सेना को इंग्लैंड ले जाने में मदद की थी।

कौन हैं भारत में चीन के नए राजदूत फेइहोंग? 18 महीने की देरी के बाद हो रही नियुक्ति

जालंधर ब्रीज (वर्ल्ड न्यूज) . लोकसभा चुनाव 2024 के बीच भारत में चीन अपना राजदूत नियुक्त करने जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों की बीच संबंधों में काफी गिरावट देखी गई है। चीन द्वारा की जा रही यह नियुक्ति 18 महीने बाद हो रही है। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वरिष्ठ राजनयिक जू फेइहोंग के नाम पर मुहर तो लगा दी है लेकिन, आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। वह सुन वेइडोंग की जगह लेंगे, जो अभी चीन में उप विदेश मंत्री का पद संभाल रहे हैं।

चीन की ओर से फेइहोंग की नियुक्ति को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, चीन के विदेश मंत्रालय ने 'पीटीआई' को पुष्टि की है कि अफगानिस्तान और रोमानिया में चीन के राजदूत रहे फेइहोंग अब भारत में देश के नए राजदूत होंगे। **कौन हैं फेइहोंग :** फेइहोंग (60) के जल्द ही नई दिल्ली जाकर पदभार ग्रहण करने की संभावना है। वह चीन के अनुभवी चीनी राजनयिक सुन वेइडोंग का स्थान लेंगे जिनका कार्यकाल अक्टूबर 2022 में समाप्त हो चुका है। सुन भारत में चीन के राजदूत की जिम्मेदारी निभाने से पहले इसी पद पर पाकिस्तान में कार्य कर चुके थे और मौजूदा समय में चीन के उप विदेशमंत्री हैं। वह दक्षिण एशिया को लेकर चीन की नीति भी देख रहे हैं। फेइहोंग की नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब भारत में आम चुनाव हो रहे हैं और लंबे समय से चल रहे सैन्य गतिरोध को दूर करने के लिए दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनयिक स्तर पर दीर्घकालिक वार्ता चल रही है। गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख के पेगोंग त्सो झील इलाके में पांच मई 2020 को हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्तों में व्यापार को छोड़ ठहराव आ गया है।

राष्ट्रपति की हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में गरिमामयी उपस्थिति

• **जालंधर ब्रीज** . धर्मशाला

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुई और अपना संबोधन दिया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। लेकिन, अतीत में बदलाव की गति इतनी तेज़ नहीं थी। आज हम चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग जैसे नए क्षेत्र तेजी से उभर रहे हैं। परिवर्तन की गति और मात्रा दोनों ही बहुत अधिक हैं, जिसके कारण प्रौद्योगिकी और आवश्यक कौशल में बहुत तेज़ी से बदलाव हो रहा है। 21वीं सदी की शुरुआत में कोई यह नहीं जानता था कि अगले 20 या 25 वर्षों में लोगों को किस प्रकार के कौशल की आवश्यकता होगी। इसी तरह, कई मौजूदा कौशल अब भविष्य में उपयोगी नहीं रहेंगे। इसलिए हमें लगातार नए कौशल अपनाने होंगे। हमारा फोकस लचीला दिमाग विकसित करने पर होना चाहिए जिससे युवा पीढ़ी तेजी से हो रहे बदलावों के साथ तालमेल स्थापित कर सके। हमें छात्रों में सीखने की जिज्ञासा और इच्छा को मजबूत कर उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना होगा।

शिक्षकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो छात्रों को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बना सकें और उनके चरित्र और व्यक्तित्व का भी निर्माण कर सके। शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में अपनी संस्कृति, परंपरा और सभ्यता के प्रति जागरूकता लाना भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस संबंध में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उनका कार्य क्षेत्र केवल शिक्षण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन पर देश के भविष्य के निर्माण की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा ध्यान 'क्या सीखें' के साथ-साथ 'कैसे सीखें' पर भी होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब छात्र बिना किसी तनाव के स्वतंत्र रूप से सीखते हैं, तो उनकी रचनात्मकता और कल्पना को उड़ान मिलती है। ऐसे में वे शिक्षा को सिर्फ आजीविका का पर्याय नहीं मानते. बल्कि, वे नवाचार करते हैं, समस्याओं का समाधान ढूंढते हैं और जिज्ञासा के साथ सीखते हैं।

छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हर व्यक्ति में अच्छाई और बुराई दोनों की क्षमता होती है। उन्होंने यह ध्यान रखने की सलाह दी कि चाहे वे कितनी भी कठिन परिस्थिति में क्यों न हों, उन्हें कभी भी बुराई को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्हें सदैव अच्छाई का ही पक्ष लेना चाहिए। उन्होंने करुणा, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता जैसे मानवीय मूल्यों को अपना आदर्श बनाने का अनुरोध करते हुए कहा कि इन मूल्यों के आधार पर वे एक सफल और सार्थक जीवन जी सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं में विकास की अपार संभावनाएं हैं। वे विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। अत: उन्हें स्वयं को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर देना चाहिए। ऐसा न केवल उनका मानवीय, सामाजिक और नैतिक दायित्व है बल्कि एक नागरिक के रूप में उनका यह कर्तव्य भी है।

बाहर ले गए और चार-चार बार रेप किया; महिला ने सुनाई अमेरिकी सैनिकों की बर्बरता की दास्तां

• **जालंधर ब्रीज** . वर्ल्ड न्यूज

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस के नॉरमैंडी में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा के सैनिक पहुंचे थे। यही वह जगह थी, जहां से समुद्र में जंग की शुरुआत हुई थी। इसी दौरान का एक दर्दनाक वाकया फ्रांसीसी महिला एमी डुपरे ने साझा किया है, जो अब 99 साल की हो गई हैं। एमी डुपरे ने बताया कि जून, 1944 में नॉरमैंडी पर लैंडिंग के बाद दो अमेरिकी सैनिकों ने उनकी मां के साथ बलात्कार किया था। वह 80 सालों से इस बात को दबाए रही थीं, लेकिन अब जाकर उन्होंने इसका खुलासा किया है। यह घटना जब हुई थी, तब एमी महज 19 साल की थीं और उनका परिवार फ्रांस के ब्रिटैनी में रहता था।

उन्होंने कहा कि सैनिक जब पहुंचे तो वे लोग खुश थे। उन्हें लगा कि आजाद कराने वाले आ गए हैं। एमी कहती है कि हमारा यह उत्साह कुछ दिनों बाद समाप्त हो गया। जब दो अमेरिकी सैनिक उनके परिवार के फार्म पर पहुंचे। एमपी ने अपनी मां की ओर से लिखे एक पत्र को दिखाते हुए कहा कि हम आज तक कुछ भी नहीं भूल हैं। एमपी ने कहा कि उन लोगों ने जमकर शराब पी रखी थी और वे एक औरत चाहते थे। एमी की मां ने अपने साथ ही बलात्कार की घटना का जिक्र करते हुए लिखा था कि अमेरिकी सैनिक उनके घर में घुस आए।

एमी डुपरे ने बताया कि जून, 1944 में नॉरमैंडी पर लैंडिंग के बाद दो अमेरिकी सैनिकों ने उनकी मां के साथ बलात्कार किया था। वह 80 सालों से इस बात को दबाए रही थीं, लेकिन अब उन्होंने इसका खुलासा किया।

उन लोगों ने मेरे पति के सिर पर गोली मारी और उनकी मौत हो गई। इसके बाद वह मेरी बेटी की तरफ गए। मैंने अपनी बेटी को बचाने के लिए उनके साथ बाहर निकलना ही ठीक समझा। इसके बाद वे लोग मुझे बंदूक की नोक पर बाहर ले गए। खेत में ले जाकर उन लोगों ने मेरा रेप किया। दोनों सैनिकों ने चार-चार बार मेरे साथ बलात्कार किया। एमी ने भावुक होते हुए कहा, 'मेरी मां ने आखिर कितना दर्द सहा था। हमको भी यह सब झेलना पड़ा। हर दिन हम इस बात को याद करते हैं।'

एमपी ने कहा कि मेरी मां ने मुझे बचाने के लिए अमेरिकी सैनिकों के आगे खुद को परोस दिया। वे लोग उसका रात भर रेप करते है, जबकि हम लोग घर में इंतजार कर रहे थे कि वह कब लौटेंगी। मन में डर था कि वह जिंदा लौटेंगी या फिर उन्हें कहीं गोली ही न मार दें। उन्होंने कहा कि उस रात को हम भूल नहीं सकते। अक्टूबर 1944 ममें नॉरमैंडी के युद्ध को जीत लिया गया था। इसके बाद अमेरिकी सेना ने 152 सैनिकों के खिलाफ ट्रायल चलाया था। इन लोगों पर फ्रांसीसी महिलाओं से बलात्कार के आरोप थे।

उम्मीदवारों की सुरक्षा को यकीनी बनाना चुनाव विभाग की मुख्य ज़िम्मेदारी : सिबिन सी

डिप्टी कमिशनरों, पुलिस कमिशनरों व एसएसपीज़ को लिए एकसमान माहौल यकीनी बनाने की दी हिदायत

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

लोक सभा मतदान 2024 के मद्देनज़र राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने आज सभी डिप्टी कमिशनरों-कम-ज़िला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस कमिशनरों और सीनियर पुलिस कप्तानों (एसएसपीज़) को उम्मीदवारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये सभी के लिए एकसमान माहौल यकीनी बनाने के लिए कहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ज़ोर देकर कहा कि उम्मीदवारों की सुरक्षा को यकीनी बनाना ज़िला चुनाव विभाग की प्राथमिक ज़िम्मेदारी है और भारत निर्वाचन आयोग इस मामले प्रति पूरी तरह गंभीर है।

सभी सबंधित अधिकारियों को जारी एक पत्र में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि उनके ध्यान में आया है कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों से चुनाव प्रचार में विघ्न डालने की कई घटनाएँ सामने आई हैं। उन्होंने बताया कि यह घटनाएँ अलग-अलग शिकायतों और मीडिया रिपोर्टों के द्वारा सामने आई हैं, जिसमें आंदोलनकारी किसानों द्वारा राजनैतिक पार्टियों के उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार करने से रोका जा रहा है जिस कारण वह राज्य के नागरिकों को अपने चुनाव घोषणा-पत्र से अवगत नहीं करवा पा रहें। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यवाहियां भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन हैं।

सिबिन सी ने आगे कहा कि यह भी देखा गया है कि सी. आर. पी. सी. की धारा 144 के अंतर्गत ज़िला मैजिस्ट्रेट की तरफ से जारी हुक्मों के बावजूद प्रदर्शनकारी किसानों द्वारा बिना इजाज़त के सभाएं करने के इलावा लाउड स्पीकरों का प्रयोग भी किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हिदायतों का हवाला देते हुये कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि उम्मीदवारों की सुरक्षा को यकीनी बनाते हुये इन दिशा-निर्देशों की यथावत पालना की जाये जिससे उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार के लिए एकसमान माहौल प्रदान किया जा सके।

सिबिन सी ने दोहराया कि जिलों में तैनात समूह चुनाव मशीनरी का फर्ज है कि वह इन दिशा-निर्देशों की सख़्ती से पालना को यकीनी बनाएं। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाज़त नहीं दी जायेगी।

सिबिन सी ने सभी अधिकारियों को हिदायत की कि वह इन निर्देशों को सही अर्थों में लागू करना यकीनी बनाएं और यदि चुनाव प्रचार में विघ्न डालने की कोई घटना सामने आती है तो उसे गंभीरता के साथ लेते हुये भारत निर्वाचन आयोग के ध्यान में लाया जाये।

बताने योग्य है कि आज किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ उनके दफ़्तर में मुलाकात की गई है। मीटिंग के दौरान सिबिन सी ने किसान जत्थेबंदियों को अमन- कानून की स्थिति बनाई रखने और राज्य भर में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की चुनाव मुहिमों में विघ्न न डालने की अपील की है।

डा. सुभाष शर्मा ने शुरू किया चुनावी अभियान

तख्त श्री केसगढ़ साहिब और माता नैना देवी मंदिर में हुए नतमस्तक

श्री आनंदपुर साहिब को विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल और मोहाली को आईटी हब बनाने के लिए प्रयास करूंगा: डा. सुभाष शर्मा

• **जालंधर ब्रीज.** श्री आनंदपुर साहिब

श्री आनंदपुर साहिब लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष शर्मा ने आज तख्त श्री केसगढ़ साहिब और माता नैना देवी के मंदिर में नतमस्तक हो अपने चुनाव प्रचार अभियान का शुभारम्भ किया। गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह धरती भक्ति और शक्ति के सिद्धान्त की जननी है और वो इससे प्रेरणा ले अपनी पूरी ताकत के साथ इलाके के लोगों की सेवा करेंगे। गुरु की बख्शीश से गुरु नगरी की सेवा करने का अवसर भी अवश्य मिलेगा।

डॉ. सुभाष शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में फैसला जनता के हाथ में होता है। हम मोदी सरकार की नीतियों का प्रचार कर रहे हैं और करते रहेंगे। हमें पूरा विश्वास है कि पंजाब में रिकॉर्ड तोड़ बहुमत से सभी 13 सीटें भाजपा जीतेगी। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत भाग्यशाली मानते हैं जिन्हें गुरु की नगरी की सेवा करने के लिए पार्टी ने प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है। डा. सुभाष ने कहा कि आज मैंने गुरु नगरी के विकास और पंजाब की खुशहाली के लिए अरदास की और गुरु महाराज की कृपा से ही मैं यहां से चुनाव लड़ने जा रहा हूं। श्री आनंदपुर साहिब के विकास पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह हलका विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होना चाहिए। बेंगलुरु की तरह मोहाली भी आईटी हब के रूप में आगे बढ़े और इसके लिए मैं अवश्य प्रयास करूंगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पौराणिक और सिखों के गौरवशाली इतिहास की साक्षी श्री आनंदपुर साहिब की धरती का वातावरण कमल खिलने के सर्वथा अनुकूल है। इस अवसर पर भारी मात्रा में पार्टी के कार्यकर्ता स्थानीय लोग उपस्थित थे।

नामांकन दाखिल करने के तीसरे दिन एक निर्दलीय प्रत्याशी ने पर्चा दाखिल किया

होशियारपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए अब तक कुल 2 नामांकन, 10 मई को भी दाखिल किये जा सकेंगे नामांकन: रिटर्निंग ऑफिसर

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए लोकसभा क्षेत्र होशियारपुर से नामांकन दाखिल करने के तीसरे दिन आज एक आजाद उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। यह जानकारी देते हुए रिटर्निंग ऑफिसर-कम-डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर कोमल मित्तल ने बताया कि आज दविंदर सिंह पुत्र दर्शन सिंह, बसंत विहार, होशियारपुर ने आजाद उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार होशियारपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए अब तक कुल 2 नामांकन दाखिल हो चुके हैं।

उन्होंने बताया कि 11 और 12 मई को छुट्टियों के अलावा 14 मई तक नामांकन भरे जा सकेंगे. उन्होंने कहा कि नामांकन कल 10 मई को भी दाखिल किया जा सकता है, क्योंकि भगवान परशुराम जयंती का अवकाश परक्राम्य लिखत अधिनियम-1881 के तहत नहीं आता है। उन्होंने बताया कि 11 मई को द्वितीय शनिवार और 12 मई को अवकाश होने के कारण नामांकन पत्र जमा नहीं किये जा सकेंगे।उन्होंने बताया कि 15 मई को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 17 मई तक उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र वापस ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि एक जून को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा और चार जून को मतगणना होगी। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया 6 जून 2024 को पूरी होगी।

आदर्श चुनाव संहिता को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिला राजस्व अधिकारी ओवरआल नियुक्त

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जिला चुनाव अधिकारी-कम-डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जारी लोकसभा चुनाव-2024 के प्रोग्राम को ध्यान में रखते हुए आदर्श चुनाव संहिता के प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिला राजस्व अधिकारी जालंधर नवदीप सिंह भोगल को ओवरआल प्रभारी नियुक्त किया है। जारी आदेश के अनुसार सहायक कमिश्नर नगर निगम जालंधर राजेश खोखर निगम की सीमा में और जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी जालंधर जीनत खेहरा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आदर्श चुनाव संहिता को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिला राजस्व अधिकारी से सहयोग करेंगे।

केंद्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

सीएसआईआर-केंद्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र जालंधर ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय-III, जालंधर कैंट के 38 छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर छात्रों को जहां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के बारे में जागरूक किया गया, वहीं चमड़ा उद्योग के बारे में जानकारी देने के साथ ही केंद्र की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी कराया गया।

कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पी. सुधाकर ने कहा कि भारत में हर साल 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाता है और इस दिन का भारतीय इतिहास में बहुत महत्व है क्योंकि इसी दिन वर्ष 1998 में भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण सफलतापूर्वक किया था। इस अवसर पर डॉ. सुधाकर ने चमड़ा परीक्षण एवं संबंधित संस्थानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वी. कार्तिक ने छात्रों को चमड़ा बनाने की प्रक्रिया, विभिन्न चमड़े के उत्पादों और संस्थान के बारे में बताया।

इस अवसर पर जहां पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के डीन (आरएंडडी) डॉ. हितेश शर्मा ने छात्रों को विज्ञान का अर्थ समझाया, वहीं पीएलएफ के अध्यक्ष श्री अमनदीप सिंह ने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

जालंधर में आप, कांग्रेस व अकाली दल के कई नेता भाजपा में शामिल

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारतीय जनता पार्टी जिला जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश प्रभारी विजय रुपाणी,जालंधर लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार सुशील रिंकु,वेस्ट हल्के से एमएलए शीतल अंगुराल, द्वारा बड़े स्तर पर आप,कांग्रेस समेत अकाली दल के नेताओं को भाजपा की सदस्यता दिलवाई।

इस अवसर पर विशेष रूप से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोरंजन कालिया, प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर,पूर्व सीपीएस और प्रदेश उपाध्यक्ष के ड़ी भंडारी,पूर्व सीपीसी अविनाश चंद्र, रमन पब्बी, सुभाष सूद भी उपस्थित हुए।सुशील शर्मा ने सभी नेताओं का पार्टी जॉइन करने पर स्वागत किया तथा कहा कि इन लोगों का पार्टी में आने से जालंधर में भाजपा और ज्यादा मजबूत हो गई है।

इस अवसर पर भाजपा ज्वाइन करने वालो में रवि शंकर गुप्ता ज़िला कांग्रेस प्रवासी सैल वाइस चेयरमैन, हरप्रीत कौर जिला अध्यक्ष अकाली दल, हरजीत कौर वाइस प्रेसिडेंट जिला अकाली दल, मंटू सिंह जनरल सेक्रेटरी जिला कांग्रेस कमेटी, पिंचू गिल युथ प्रेजिडेंट आप, ललित बाबू वाइस प्रेसिडेंट प्रदेश अकाली दल, सूरज कुमार यूथ प्रेसिडेंट जिला अकाली दल, राजेश भगत, शिंदा जनरल सेक्रेटरी कॉन्ग्रेस कमेटी, गगन शर्मा आप पार्टी वार्ड 70 इंचार्ज, पवन बाबा वार्ड 70 आप पार्टी वाइस प्रेसिडेंट, तिलक राज गोगना सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जिला कांग्रेस,नरेंद्र भोला कॉन्ग्रेस नेता,प ्रदीप भोला, राधा कृष्ण, हरविंदर सिंह सोनू यूथ अकाली नेता, रविंद्र सिंह यूथ अकाली लीडर, अनिल सारंगल, दीपक कुमार, दीपक सिंह, रिपु दमन सिंह, दीपक लूथरा, आशु मल्होत्रा, सुमित किंडर, मोहित मोना,रोहित मिनिया, सुमित शर्मा, दीपक लूथरा,अकाश मिनीया, विशाल दत्त, नरिंद्र भोला, प्रदीप भोला, बाबा राजकिशोर, गगन शर्मा, पवन बाबा, राजेश भगत अकाली एसी मोर्चा जिला सचिव, हरप्रीत कौर अकाली दल प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, हरजीत कौर अकाली दल जिला जनरल सेक्रेटरी,आदि उपस्थित थे।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी शाम चुरासी द्वारा मंडियाला नाके का निरीक्षण

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

कमिश्नर नगर निगम होशियारपुर-कम-सहायक रिटर्निंग अधिकारी 042-शाम चुरासी डॉ. अमनदीप कौर ने लोक सभा चुनाव-2024 के मद्देनजर विधान सभा क्षेत्र शाम चुरासी के अधिकार क्षेत्र में तैनात विभिन्न टीमों की स्टेटिक सर्विलांस टीम द्वारा होशियारपुर-जालंधर रोड पर लगाए गए मंडियाला नाके का निरीक्षण किया। उन्होंने टीम के नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि यदि चेकिंग के दौरान किसी भी प्रकार की बरामदगी (नगदी, शराब) पकड़ी जाये तो इसकी सूचना तुरंत अपने वरीय अधिकारियों को लिखित रूप से दें, ताकि नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। इस मौके पर चुनाव प्रभारी हरप्रीत सिंह, जूनियर सहायक लखवीर सिंह और क्लर्क बिक्रमजीत सिंह भी मौजूद थे।

सीएम मान ने पप्पी के लिए किया चुनाव प्रचार

जनसभा में पहुंची भीड़ ने बुलंद अवाज में लगाए नारे, 'इस बार पंजाब बनेगा हीरो 13-0'

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना/ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वीरवार को लुधियाना लोकसभा से आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार अशोक पराशर पप्पी के लिए प्रचार किया। मान ने जगरांव में एक बड़ा रोड शो निकाला और लोगों से इस चुनाव में आम आदमी पार्टी को 13-0 से जिताने की अपील की।

रोड शो में पहुंचे लोगों ने आम आदमी पार्टी की 13-0 से जीत के लिए बुलंद आवाज में नारे लगाए, 'इस बार पंजाब बनेगा हीरो, 13-0'। रोड शो में भाजपा उम्मीदवार रवनीत बिट्टू और कांग्रेस उम्मीदवार राजा वड़िंग के खिलाफ भी लोगों ने नारे लगाए। लोगों ने कहा - 'बिट्टू ते राजा गप्पी, जितेगा साडा पप्पी'।

रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री मान ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पंजाब का पहला ऐसा मुख्यमंत्री हूं जिसे लोग 'भाई जी' कहकर बुलाते हैं। वहीं पहले वाले मुख्यमंत्री को लोग 'काका जी' और 'राजा साहब' जैसे बड़े-बड़े शब्द कहकर बुलाते थे। यही मेरे प्रति पंजाब के लोगो का प्यार है। मान ने कहा कि आपका यही प्यार और समर्थन मुझे कभी थकने नहीं देता। आपके इस प्यार का कर्ज मैं सात जन्मों में भी नहीं चुका सकता।

मान ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हम पंजाब के विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। पिछले दो सालों के दौरान हमने कई ऐतिहासिक फैसले किए जिसके अच्छे नतीजे आपके सामने है। आगे भी इसी तरह उत्साहपूर्वक काम करने के लिए हमें आपके समर्थन की जरूरत है। इस बार आम आदमी पार्टी को 13-0 से जीता दें। हमारे सभी सांसद संसद में पंजाब के हकों के लिए आवाज उठाएंगे और पंजाब का एक-एक पैसा केंद्र से वसूल कर लाएंगे और पंजाब को फिर से हम सोने की चिड़ियां बनाएंगे।

मान ने पीएम मोदी पर हमला बोला और कहा कि हम इस चुनाव में स्कूल-अस्पताल, बिजली-पानी किसान और रोजगार जैसे मुद्दे एवं पिछले दो सालों के दौरान अपनी सरकार द्वारा किए गए कामों के नाम पर वोट मांग रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दस साल शासन करने के बाद भी मुस्लिम और मंगलसूत्र के नाम पर वोट मांग रहें हैं क्योंकि उनके पास गिनाने लायक कोई काम ही नहीं है। वह जाति-धर्म के नाम पर लोगों को डरा कर वोट लेना चाहते हैं।

भाषण के दौरान मान ने सुखबीर बादल पर हमला बोलते हुए कहा कि बादल परिवार का सुख विलास होटल पंजाब के लोगों के खून पसीने से बना है। उस होटल के प्रत्येक कमरे के साथ एक पूल है। उन्होंने कहा कि हम सुख विलास को पंजाब सरकार के कब्जे में लेंगे और उसको स्कूल में बदल देंगे। वह हर कमरे के साथ फूल वाला पहला स्कूल होगा। इसके लिए हमने एक नारा भी तैयार कर रखा है, 'दुनिया का पहला स्कूल, जिसके हर एक कमरे के पीछे पूल। मान ने लोगों से कहा कि आज आप हमारे राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के लिए आप ईश्वर से प्रार्थना करें ताकि कल वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बाहर निकल आएं। उन्हें कहा कि अरविंद केजरीवाल के बाहर निकालने के बाद हम दोगुनी ऊर्जा के साथ प्रचार करेंगे और अपनी सभी सीट जीतेंगे। मान ने लोगों से नारे लगवाए, 'जेल के ताले टूटेंगे, केजरीवाल छूटेंगे'।

लोगों को संबोधित करते हुए लुधियाना से आप प्रत्याशी अशोक पराशर पप्पी ने कहा कि पिछले दो सालों में मान सरकार ने कई ऐसे काम किए जिसके बारे में पिछली सरकारों ने कभी सोचा भी नहीं होगा। इसका उदाहरण सड़क सुरक्षा फोर्स से मिलता है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री भगवंत मान के पास पंजाब के विकास के लिए बड़ा विजन है। वह जहां भी जाते हैं उनके दिमाग में हमेशा पंजाब ही घूमता रहता है।

युवराज ने की कोहली की तारीफ, कहा- सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप मेडल जीतने का हकदार

टी20 विश्व कप 2024

फोटो-बीसीसीआई

कोहली जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्क्वॉड में हैं और वह छठी बार ये टूर्नामेंट खेलने उतरेंगे

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सलामी बल्लेबाज विराट कोहली की तारीफ की है। इस दौरान युवराज ने कोहली को सबसे बेहतरीन बल्लेबाज कहा है। पिछले साल आईसीसी मेंस वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए थे। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। कोहली जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्क्वॉड में हैं और वह छठी बार ये टूर्नामेंट खेलने उतरेंगे। 2021 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे विराट कोहली को लंबे समय से ट्रॉफी का इंतजार है और युवराज सिंह का मानना है कि वह इसके हकदार भी हैं। युवराज सिंह ने कहा कि ये स्टार बल्लेबाज किसी और से भी ज्यादा वर्ल्ड कप मेडल जीतने का हकदार है।

आईसीसी से बातचीत में युवराज सिंह ने कहा कि वह निश्चित रूप से इस दौर के सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। इस पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। मुझे लगता है कि तीनों फॉर्मेट का बढ़िया खिलाड़ी है। वह ऐसा व्यक्ति है जिसे वर्ल्ड कप मेडल की जरूरत है। वह निश्चित रूप से उस मेडल का हकदार भी है। उन्होंने आगे कहा कि वह अपना गेम अच्छे से जानता है। अगर वह आखिर तक रहा तो वह भारत के लिए मैच जीत सकता है और उसने कई बड़े मौकों पर ये करके दिखाया है।

एक बार जब उसमें लक्ष्य को चेज़ करने का आत्मविश्वास आ जाए तो वह स्थिति को संभाल लेता है। वह जानता है कि इन परिस्थितियों में कैसे बल्लेबाजी करनी है, किस गेंदबाज पर आक्रमण करना है। किस गेंदबाज पर सिंगल लेना है, कब फिर से आक्रमण करना है, दबाव को संभालना है और कब अपना खेल बदलना है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता कश्मीरी लाल खन्ना का निधन, हुए पचतत्वों में विलीन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता कश्मीरी लाल खन्ना(राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पंजाब के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य, जालंधर के पूर्व महानगर संघचालक एवं सर्वहितकारी शिक्षा समिति के पूर्व प्रांत उपाध्यक्ष) प्रभु चरणों में विलीन हो गए हैं। उनका अंतिम संस्कार वीरवार 9 मई को बाबा दादा मल शमशान घाट, मकसूदां चौक, जालंधर में दोपहर 1 बजे किया गया। उनकी चिता को मुखाग्नि उनके नाती निलेश अरोड़ा ने दी वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और अपनी बेटी और दामाद पारुल अरोड़ा और विक्रम अरोड़ा के पास टैगोर पार्क मकसूदा में रह रहे थे और उसके निमित्त उनका रसम उठाला शनिवार दोपहर 2:00 बजे से लेकर 3:00 तक महालक्ष्मी मंदिर जेल रोड में रखा गया है। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा पंजाब प्रदेश के महामंत्री राकेश राठौर,जालंधर लोकसभा चुनाव से भाजपा के उम्मीदवार सुशील कुमार रिंकू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोरंजन कालिया, वेस्ट विधानसभा क्षेत्र से विधायक शीतल अंगूराल, भाजपा पंजाब प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं पूर्व संसदीय सचिव कृष्ण देव भंडारी,राजेश बाग्घा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला,भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा, अनिल सच्चर पूर्व जिला अध्यक्ष रमन पब्बी, सुभाष सूद, रमेश शर्मा, भाजपा स्पोर्ट्स सेल के प्रदेश अध्यक्ष सनी शर्मा, कुणाल शर्मा, मिंटा कोछड़, व अन्य उपस्थित थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.